

कुल्लू अस्पताल में हंगामा



कुल्लू, 8 जनवरी (पल): क्षेत्रीय अस्पताल में माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब लंबे समय तक शव अस्पताल के शव गृह में पड़ा रहा तथा कंपनी प्रबंधन की तरफ से कोई भी हाल जानने नहीं आया। गुस्साए मजदूरों द्वारा बाद में अस्पताल में पहुंचे कंपनी कर्मचारियों से धक्का-मुक्की व लात-धूसों की बरसात भी की गई। मामला रविवार को दियार निंगनी में हुआ था, जब टिप्पर गहरी खाई में लुढ़क गया।

दुर्घटना में एक मजदूर की जान चली गई तथा मृतक मजदूर के भाई की टांग कट गई। मजदूर के शव को पुलिस द्वारा कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया गया और पुलिस द्वारा शव मृतक के भाई खादिम हुसैन व उसके साथियों के हवाले कर दिया गया। शव को परिजनों द्वारा जम्मू से करीब 350 किलोमीटर दूर ले जाना था। इसके लिए गाड़ी का प्रबंध किया जाना आवश्यक था, लेकिन कंपनी प्रबंधन का कोई भी प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचा और न ही आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई गई। दिन के 1 बजे तक कंपनी प्रबंधन के सुध न लेने के कारण मजदूर भड़क उठे और आर.एस. कंपनी के महाप्रबंधक से



कुल्लू : दियार निंगनी में टिप्पर दुर्घटना में मारे गए युवक व घायलों की कंपनी द्वारा सुध न लिए जाने से भड़के मजदूर व (बाएं) अस्पताल में उपचाराधीन मंजूर अहमद, जिसकी टांग कट गई है। (पल)

तया कहते हैं मजदूर

बशीर अहमद, जाकिर हुसैन, मोहम्मद हुसैन, सादर हुसैन, लाल हुसैन, फकीर मोहम्मद व मोहम्मद इब्नसहित अन्य मजदूरों ने बताया कि रविवार को हुई दुर्घटना के बाद से अभी तक कंपनी प्रबंधन द्वारा घायलों का तल तक नहीं जाना गया है। शव को जम्मू से करीब 350 किलोमीटर दूर ले जाना है। टैक्सी का किराया 30 हजार रुपए मांगा गया है। कंपनी द्वारा अभी तक कोई राहत नहीं दी गई है। यही नहीं, एक मजदूर मंजूर अहमद (30) पुत्र हाशिमदीन निवसी सदल जिला जेज की टांग तक कट गई है और वह जिंदगी व मौत की जंग लड़ रहा है तो दूसरे भाई की मौत हो गई है। बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन गहरी नींद में सोया हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आर.एस. कंपनी के लिए कार्य कर रहे हैं।

संपर्क बनाने का प्रयास करते रहे। काफी समय के बाद प्रबंधक ने फोन उठाया तो मजदूरों को ही ड्रामा करने की बात कहने लगा, जिस पर मजदूर बुरी तरह से भड़क गए। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए महाप्रबंधक ने

2 कर्मचारियों को कुछ पैसे देकर भेजा, लेकिन उस समय तक मजदूरों के सब्र का बांध टूट चुका था।

मजदूरों को कर्मचारियों द्वारा 16 हजार रुपए सहायता स्वरूप दिए गए, लेकिन सहायता पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि

टैक्सी का खर्च करीब 30 हजार रुपए मांगा गया था। मजदूरों में घायलों का हाल न जानने के कारण कंपनी प्रबंधन के प्रति रोष था, इसलिए मजदूरों ने कंपनी के कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की के बाद मारपीट शुरू कर दी। बड़ी मशकत के बाद मामले को शांत किया गया।



“कंपनी प्रबंधन द्वारा घायलों को क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया है, जिस मजदूर की टांग कट गई है, उसका ऑपरेशन करवाया गया है। कंपनी प्रभावितों को हसंभव सहायता प्रदान करेगी। टैक्सी के लिए 16 हजार रुपए राहत राशि प्रदान की गई है।

- श्याम गुप्ता, महाप्रबंधक, आर.एस. कंपनी

9-1-18

बेबस

अस्पताल में कंपनी प्रबंधन का इंतजार करते रहे परिजन

कंपनी ने शव ले जाने को नहीं दी गाड़ी

■ मोहर सिंह पुजारी, कुल्लू



जिला कुल्लू की दियार घाटी के निंगणा के सड़क हादसे में मारे गए जम्मू के डाडा निवासी एक मजदूर के शव को घर ले जाने के लिए एक टावर कंपनी के प्रबंधन ने वाहन का प्रावधान तक नहीं किया। ऐसे में हादसे में मारे गए मजदूर का छोटा भाई और अन्य साथ काम करने वाले सहयोगी परेशान रहे और उन्हें गाड़ी का इंतजाम करने के लिए काफी लंबा समय लगा। इधर-उधर से पैसा एकत्रित कर परिजन व रिश्तेदार गाड़ी कर कुल्लू से जम्मू शव ले गए। हादसा रविवार दोपहर के समय पेश आया था और शव सोमवार को घर ले गए। मजदूरों के पास पैसे नहीं थे, जिससे वह परेशान हो गए, लेकिन कंपनी प्रबंधन दुख की घड़ी में दुखी परिवार की दस्तां नहीं सुन पाया। बता दें कि जम्मू के

“कंपनी ने हादसे में मारे गए जम्मू के मजदूर के शव को एक वाहन में घर भेज दिया है। साथ लगे लोगों को रास्ते के खर्च के लिए 15 हजार रुपए दिए गए हैं। जिन लोगों ने यह कहा है कि कंपनी ने सहायता नहीं की है वे किसी और जगह काम करते हैं एसएल गुप्ता जीएम आएस इन्फ्रा कंपनी



लोगों ने कुल्लू अस्पताल में पूरी रात बीता दी। मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन से जम्मू शव ले जाने के लिए संपर्क भी साधा था। कंपनी प्रबंधन ने भी आश्वासन दिया था कि उन्हें सहायता मिलेगी। जब सोमवार को दोपहर तक कंपनी का कोई भी अधिकारी नहीं आया तो दुखी परिवार और रिश्तेदारों ने इधर-उधर से पैसे एकत्रित कर कुल्लू से वाहन किया। पैसा एकत्रित करने के लिए मजदूरों को काफी लंबा समय लगा। यही नहीं, जब परिजनों ने शव को ले जाने के लिए वाहन का प्रबंध किया था, तब कंपनी के कुछ लोग पहुंचे थे। इस दौरान हाथापाई का माहौल भी बन गया था। शव लेने कुल्लू पहुंचे बशीर, जाकीर हुसैन, मोहम्मद हुसैन, लाल हुसैन, फकीर मोहम्मद व मोहम्मद का कहना है कि टावर कंपनी ने घोर अन्याय किया है। कंपनी शव को घर ले जाने के लिए वाहन की सुविधा तक नहीं

करवा पाई। उनका कहना है कि हादसे होने की सूचना रविवार को कंपनी के अधिकारियों को पहुंची थी, लेकिन कंपनी का कोई भी अधिकारी सोमवार दोपहर तक अस्पताल में दुखी परिवार का सहयोग करने नहीं पहुंचा। उनका कहना है कि कंपनी मजदूरों को जम्मू के डोडा जिला से लाई है। इस आपात स्थिति में भी कंपनी मजदूरों का साथ नहीं दे पाई है। उक्त लोगों का कहना है कि अगर इस घड़ी में कंपनी काम नहीं आई तो यह बड़े दुख की बात है। काफी देर तक गाड़ी उपलब्ध नहीं होने से माहौल काफी तनावपूर्ण रहा। जानकारी के अनुसार गाड़ी चालक ने शव को जम्मू ले जाने के लिए 30 हजार रुपए की डिमांड की थी। वही, जिला प्रशासन कुल्लू ने हादसे का शिकार हुए लोगों के परिजनों को दस-दस हजार रुपए की फौरी राहत दी है।

हादसे में खोया भाई

जम्मू से कंपनी में रोजी-रोटी कमाने के लिए तीन भाई दियार घाटी के निंगणा पहुंचे थे। रविवार को दियार में सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोग मारे गए और छह लोग घायल हो गए। बता दें कि टिप्पर में जम्मू से आए तीन भाइयों में से दो भाई भी जा रहे थे कि अचानक निंगणा के पास हादसा हुआ है, जिसमें एक भाई की मौके पर मौत हो गई और एक भाई की एक टांग कट गई है। अस्पताल में छोटा भाई फूटफूटकर रोया। छोटे भाई खादिम खान का कहना है कि घर में उनकी मां अकेली है। हादसे में एक भाई मारा गया और एक की टांग कट गई है।

9-1-18